May 19, 2026

To,
The Manager - CRD
BSE Limited,
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Fort, Mumbai - 400001.

Ref.: Scrip Code - **539008**

Dear Madam/Sir,

Sub: Newspaper Advertisement – Disclosure under Regulation 30 and Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("SEBI Listing Regulations")

Dear Madam/Sir,

In compliance with Regulation 30 of SEBI (LODR) Regulations, 2015, the Audited Financial Results of the Company for the financial year ended March 31, 2026, approved by the Board of Directors in its meeting held on Saturday, May 16, 2026, were published in Jaipur – "Business Remedies" on May 19, 2026. The copies of the same are enclosed herewith.

The same is also available on the Company's website viz. http://www.tirupatifincorp.in/

Request you to kindly take the same on record.

Thanking You.

For **Tirupati Fincorp Limited**

Anita Ramesh Chougule

Digitally signed by Anita Ramesh Chougule
Date: 2026.05.19 12:00:14 +05'30'

Anita Chougule
Company Secretary

एमेजॉन इंडिया द्वारा एमेजॉन नाउ ऑपरेशंस के लिए 1,000 इलेक्ट्रिक ट्रक तैनात किए जाएंगे

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज

एमेजॉन इंडिया ने आज देश में एमेजॉन नाउ के ऑपरेशंस को सपोर्ट करने के लिए लगभग 1,000 इलेक्ट्रिक ट्रक तैनात करने की घोषणा की। ये ट्रक वी.ई कमर्शियल वैहिकल्स (वी.ई.सी.वी) के बिजनेस डिवीजन, आयशर ट्रक्स एंड बसेज के सहयोग से बनाए जाएंगे। यह ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी समर्पित इलेक्ट्रिक फ्लीट्स में से एक होगी, जो ज्यादा सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क स्थापित करने के एमेजॉन के प्रयासों को मजबूत बनाएगी। इस सहयोग के अंतर्गत, वी.ई.सी.वी ने आयशर प्रो-एक्स स्मॉल ट्रक का विकास किया है। यह एक कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक ट्रक है, जो हाई-फ्रीक्वेंसी, इंट्रा-सिटी ऑपरेशंस के लिए बनाया गया है। ये ट्रक शहर के बाहर मौजूद एमेजॉन के फुलफिलमेंट हब से ग्राहकों के करीब स्थित एमेजॉन नाउ माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर्स के बीच ट्रांसपोर्टेशन संभव बनाएंगे।

एमेजॉन द्वारा इस तरह के 50 ट्रकों का इस्तेमाल पहले से ही किया जा रहा है और साल 2028 के अंत तक 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक ट्रक तैनात किए जाने की योजना है। ये ट्रक प्रतिदिन 100 किलोमीटर से 180 किलोमीटर की दूरी तय करते हैं और एमेजॉन की सुविधाओं के बीच कई ट्रिप्स पूरी करते हैं। इनका चार्जिंग टाईम लगभग 50 मिनट है। इन ट्रकों को दिल्ली-एनसीआर, बैंगलुरु और मुंबई के मुख्य शहरों में तैनात किया जाएगा, ताकि इन शहरों में एमेजॉन नाउ को तेजी से विस्तार करने में मदद मिले। एमेजॉन नाउ ग्रोसरी से लेकर पर्सनल केयर और इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज से लेकर फेस्टिव सप्लाई तक, दैनिक उपयोगिता की हजारों वस्तुओं की डिलीवरी मिनटों में कर देता है। कंपनी ने हाल ही में घोषणा की है कि एमेजॉन नाउ का विस्तार भारत के 100 शहरों में किया जाएगा, जिससे कंपनी का नेटवर्क बढ़कर 1,000 से अधिक माईक्रो फुलफिलमेंट सेंटर्स (एम.एफ.सी) तक पहुँच जाएगा। इस सेवा द्वारा पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, जयपुर, लखनऊ, कोच्चि, मैंगलोर और विजाग जैसे शहरों में ग्राहकों को अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी की सुविधा प्राप्त होगी।

अभिनव सिंह, वी.पी ऑपरेशंस, एमेजॉन इंडिया एवं ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि हमने हमेशा से अपने ऑपरेशंस को ज्यादा सस्टेनेबल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसलिए हम लगातार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ा रहे हैं और भारत में 12,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वैहिकल तैनात कर चुके हैं। हम विभिन्न ओ.ई.एम पार्टनर्स की मदद से अपनी जरूरतों के लिए अनुकूलित समाधानों का निर्माण कर रहे हैं। हम जैसे-जैसे विकास कर रहे हैं अपने ऑपरेशंस में इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन का भी विस्तार करते जा रहे हैं। 1,000 पर्पज-बिल्ट वॉल्वो आयशर इलेक्ट्रिक ट्रकों की योजनाबद्ध तैनाती इसी दिशा में हमारा अगला कदम है।''

हिंदुजा परिवार लगातार पांचवीं बार यूके की रिच लिस्ट 2026 में शीर्ष पर

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज

111 वर्ष पुराने बहुराष्ट्रीय समूह हिंदुजा ग्रुप का प्रतिनिधित्व करने वाले संजय हिंदुजा, धीरज हिंदुजा और उनका परिवार लगातार पांचवीं बार संडे टाइम्स रिच लिस्ट में 38 अरब पाउंड की संपत्ति के साथ शीर्ष स्थान पर रहे हैं। संडे टाइम्स रिच लिस्ट यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले सबसे धनी व्यक्तियों और परिवारों की वार्षिक और प्रतिष्ठित सूची है, जिसमें वर्ष 2026 संस्करण में लगभग 350 प्रविष्टियां शामिल हैं। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और नीतिगत बदलावों के बावजूद हिंदुजा परिवार ने असाधारण कारोबारी मजबूती और वैश्विक नेतृत्व का प्रदर्शन जारी रखा है।

एक सदी से अधिक समय से हिंदुजा ग्रुप की यात्रा स्वर्गीय परमानंद दीपचंद हिंदुजा के संस्थापक सिद्धांत 'मेरा धर्म है काम करना ताकि मैं दूसरों को दे सकूं' से प्रेरित रही है। यही सिद्धांत आज भी समूह की कार्यशैली को दिशा देता है, जिसमें व्यापारिक विकास के साथ आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना विकास और विभिन्न देशों में सामाजिक योगदान को संतुलित रूप से आगे बढ़ाया जाता है। हिंदुजा ग्रुप 38 देशों में सक्रिय है और मोबिलिटी, डिजिटल प्रौद्योगिकी, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं, मीडिया, परियोजना विकास, लुब्रिकेंट्स एवं विशेष रसायन, ऊर्जा, रियल एस्टेट, ट्रेडिंग तथा स्वास्थ्य सेवाओं जैसे कई क्षेत्रों में निवेश करता है। विशेष रूप से पिछले एक वर्ष में समूह ने भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र पर अपना ध्यान और बढ़ाया है। व्यापारिक गतिविधियों के अलावा हिंदुजा परिवार हिंदुजा फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सतत ग्रामीण विकास और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सामाजिक परिवर्तनकारी पहलों के लिए भी प्रतिबद्ध है, जिनका लाभ विभिन्न देशों और समुदायों को मिल रहा है। संडे टाइम्स रिच लिस्ट 2026 में शामिल अन्य प्रमुख नामों में डेविड और साइमन रूबेन परिवार (27.971 अरब पाउंड), सर लियोनार्ड ब्लावाटनिक (26.852 अरब पाउंड), इदान ओफर (24.481 अरब पाउंड), गाइ, जॉर्ज, अलानाह और गैलेन वेस्टन परिवार (18.939 अरब पाउंड), क्रिस्टोफर हारबोर्न (18.177 अरब पाउंड), निक स्टोरोंस्की (16.411 अरब पाउंड), एलेक्स गेर्को (16.006 अरब पाउंड), सर जिम रैटक्लिफ (15.194 अरब पाउंड) तथा इगोर और दिमित्री बुखमन (14.26 अरब पाउंड) शामिल हैं।

पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष यूरिया उर्वरक का प्रारंभिक भंडार काफी कम : कर्नाटक कृषि मंत्रालय

बेंगलुरू | एजेंसी

कर्नाटक कृषि मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष यूरिया उर्वरक का प्रारंभिक भंडार काफी कम है। मंत्रालय ने बताया कि 2023 में प्रारंभिक भंडार 3.91 लाख मीट्रिक टन, 2024 में 5.41 लाख मीट्रिक टन और 2025 में 3.46 लाख मीट्रिक टन था। हालांकि, चालू वर्ष में केवल 2.80 लाख मीट्रिक टन ही उपलब्ध है।

कृषि मंत्री ने सोमवार को कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे संकट के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरकों और उर्वरक उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल, जैसे अमोनिया, द्रवीकृत प्राकृतिक गैस, फॉस्फोरिक एसिड और सल्फ्यूरिक एसिड के आयात में अस्थिरता उत्पन्न हो गई है। इसके परिणामस्वरूप, राज्य में 2026 के मानसून सीजन के दौरान उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना है, जिससे कर्नाटक भर में उर्वरकों की उपलब्धता बाधित हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा यूरिया और डायमोनियम फॉस्फेट उर्वरकों की आपूर्ति मांग के अनुपात में नहीं की गई है। वर्तमान मानसून सीजन के लिए केंद्र सरकार ने विभिन्न श्रेणियों के कुल 30.05 लाख मीट्रिक टन उर्वरक आवंटित किए हैं। इसमें 11.10 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4.00 लाख मीट्रिक टन डायअमोनियम फॉस्फेट, 2.12 लाख मीट्रिक टन म्यूरिएट ऑफ पोटाश, 11.88 लाख मीट्रिक टन कॉम्प्लेक्स उर्वरक और 0.95 लाख मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले उपलब्ध प्रारंभिक भंडार पर विचार किए बिना, मांग के अनुसार यूरिया सहित सभी उर्वरकों का आवंटन और आपूर्ति की थी।

अदाणी फाउंडेशन ने एसीसी वाडी में कौशल विकास पहल के जरिए युवाओं को सशक्त बनाया

कर्नाटक | बिज़नेस रेमेडीज

विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी ने अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर वाडी के युवाओं को स्थायी और प्रभावशाली आजीविका की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए सहयोग किया है।

युवाओं में व्यावहारिक कौशल की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, अदाणी फाउंडेशन ने जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (जीडीए) डीडीईओ, असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, ब्यूटी एंड वेलनेस तथा सोशल मीडिया ऑपरेशंस (एसएमओ) जैसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए। कई युवाओं के लिए यह सीखने, आगे बढ़ने और अपने भविष्य के नए अवसरों को पहचानने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। एसीसी ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से रोजगार तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। कंपनी ने उन्हें ऐसे अवसरों से जोड़ा, जो न केवल आय बल्कि सम्मानजनक जीवन भी प्रदान करते हैं। कुल 721 नामांकित उम्मीदवारों में से 680 ने प्रशिक्षण पूरा किया, जिनमें से 600 से अधिक को रोजगार के अवसर मिले। इनमें 428 युवाओं को वेतनभोगी नौकरियां मिलीं, जबकि 180 से अधिक ने स्वरोजगार अपनाया। कई प्रतिभागी अब टाटा विस्ट्रॉन, एआईजी हॉस्पिटल और गोकुल दास एक्सपोर्ट्स जैसी संस्थाओं में कार्यरत हैं और हैदराबाद, बेंगलुरु तथा कलबुर्गी में प्रतिमाह 20,000 से 25,000 रुपये तक कमा रहे हैं। अदाणी फाउंडेशन ने अपनी इस पहल को कलबुर्गी सेंट्रल जेल के 120 कैदियों तक भी विस्तारित किया है। इसके तहत उन्हें डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण और पुनर्वास मंचों तक पहुंच प्रदान की गई। यह कदम समावेशन के प्रति व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे लोगों को आत्मविश्वास और उद्देश्य के साथ अपने जीवन को दोबारा संवारने का अवसर मिल सके। ऐसी प्रभावशाली पहलों के माध्यम से एसीसी और अदाणी फाउंडेशन भारत के विभिन्न क्षेत्रों में समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः मजबूत कर रहे हैं।

Emerging Entrepreneur

टू वर्ड्स अवे के संस्थापक संचित गर्ग का सफर

इंडियन इवेंट मैनेजमेंट टेक स्टार्टअप शुरू कर पहचान बनाई

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

इंडियन इवेंट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी स्टार्टअप टू वर्ड्स अवे वर्ष, 2022 में शुरू कर संचित गर्ग ने अपनी पहचान बनाई है। यह आइडिया मॉडर्न डिजिटल कम्युनिकेशन में आने वाली एक आसान लेकिन बहुत असली प्रॉब्लम से आया, जहां मैसेजिंग एप्स पर इवेंट कोऑर्डिनेशन अक्सर अस्त-व्यस्त हो जाता है, इनविटेशन, अपडेट और कन्फर्मेशन लंबी और बिना किसी स्ट्रक्चर वाली चैट में खो जाते हैं। फाउंडर ने यह कमी तब पहचानी, जब उन्होंने देखा कि कैसे स्टूडेंट्स और यंग प्रोफेशनल्स मौजूदा टूल्स का इस्तेमाल करके छोटी-छोटी गैदरिंग को भी अच्छे से मैनेज करने में मुश्किल महसूस करते हैं। कंपनी को एक स्ट्रक्चर्ड और लाइटवेट सिस्टम के जरिए इवेंट बनाने और कम्युनिकेशन को आसान बनाने के विजन के साथ बनाया गया था। प्लेटफॉर्म के सेंटर में दो शब्दों वाले इवेंट आइडेंटिफायर का इस्तेमाल करने का इसका यूनिक तरीका है, जो यूजर्स को लंबे लिंक या मुश्किल इनविटेशन स्ट्रक्चर के बजाय सिंपल और यादगार फॉर्मेट में इवेंट बनाने और शेयर करने की सुविधा देता है। इस सिस्टम को इवेंट शेयरिंग को एक छोटा वाक्य भेजने जितना आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया था और साथ ही इवेंट से जुड़ी सभी एक्टिविटीज के लिए एक डेडिकेटेड डिजिटल स्पेस भी बनाए रखा गया था। एक बार इवेंट बन जाने के बाद यूजर्स इनविटेशन, आरएसवीपी और अपडेट्स सहित सब कुछ एक ही जगह पर मैनेज कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म सेंट्रलाइज्ड इवेंट पेज, गेस्ट लिस्ट मैनेजमेंट और एसएमएस और ईमेल के जरिए रियल टाइम नोटिफिकेशन को एक साथ लाता है, जिससे यह पक्का होता है कि सभी पार्टिसिपेंट्स अलग-अलग मैसेजिंग बातचीत पर निर्भर हुए बिना अपडेटेड रहें। यह स्ट्रक्चर्ड तरीका खास तौर पर कॉलेज इवेंट्स, प्राइवेट गैदरिंग और छोटे कम्युनिटी मीटअप के लिए है, जहां कोऑर्डिनेशन आमतौर पर गड़बड़ और अनऑर्गनाइज्ड हो जाता है।

कम्युनिकेशन प्रॉब्लम्स को ज्यादा आसान तरीके से सॉल्व करता स्टार्टअप

यह स्टार्टअप वर्ष,2022 में शुरू हुआ था और इसने खुद को शुरुआती स्टेज के इवेंट टेक स्पेस में रखा, जिसमें भारी एंटरप्राइज लेवल की मुश्किलों के बजाय इस्तेमाल और आसानी पर ज्यादा ध्यान दिया गया। यह युवा भारतीय फाउंडर्स के बीच एक बड़े ट्रेंड को दिखाता है जो कंज्यूमर पर फोकस करने वाले ऐसे टूल बना रहे हैं, जो रोजाना की कम्युनिकेशन प्रॉब्लम्स को ज्यादा आसान तरीके से सॉल्व करते हैं। टू वर्ड्स अवे ने शार्क टैंक इंडिया से जुड़ने के बाद ध्यान खींचा, जहां इस आइडिया को इसकी शुरुआती ग्रोथ जर्नी के हिस्से के तौर पर इन्वेस्टर्स के सामने पेश किया गया था। पिच ने इवेंट मैनेजमेंट के लिए ग्रुप चैट की बढ़ती इनएफिशिएंसी को हाईलाइट किया और प्रोडक्ट को खास तौर पर स्ट्रक्चर्ड इवेंट कोऑर्डिनेशन के लिए बनाए गए एक क्लीनर अल्टरनेटिव के तौर पर पेश किया। हालांकि पिच के बारे में चर्चाओं से स्टार्टअप के लिए विजिबिलिटी बनी, लेकिन फाइनल डील स्ट्रक्चर और इन्वेस्टमेंट के सही नतीजे के बारे में पब्लिकली वेरिफाइड डिटेल्स लिमिटेड हैं और भरोसेमंद सोर्स पर लगातार डॉक्यूमेंटेड नहीं हैं।

कोऑर्डिनेशन को तेज, साफ और ज्यादा स्ट्रक्चर्ड बनाना है मकसद

शार्क टैंक के नतीजों की खास बातों को लेकर अनिश्चितता के बावजूद इस एक्सपोजर से स्टार्टअप को शुरुआती स्टेज के स्टार्टअप इकोसिस्टम में पहचान मिली। इसने मिनिमल डिजाइन और आसान शेयरिंग मैकेनिक्स के जरिए डिजिटल इवेंट मैनेजमेंट को आसान बनाने के अपने मुख्य कॉन्सेप्ट पर भी ध्यान खींचा। यह आइडिया खासकर युवा दर्शकों को पसंद आया, जो अक्सर इनफॉर्मल इवेंट ऑर्गनाइज करते हैं और कॉम्प्लेक्स प्लेटफॉर्म के बजाय हल्के डिजिटल टूल पसंद करते हैं। अभी की स्थिति के हिसाब से टू वर्ड्स अवे अभी भी एक शुरुआती स्टेज के स्टार्टअप के तौर पर काम कर रहा है। यह एक बड़े पैमाने के कमर्शियल प्लेटफॉर्म के बजाय एक डेवलपिंग प्रोडक्ट के तौर पर मौजूद है। इसका फोकस यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने, टारगेट यूजर्स के बीच इसे अपनाने में सुधार करने और फीडबैक के आधार पर प्रोडक्ट को बेहतर बनाने पर है। अभी तक बड़े पैमाने पर मार्केट के बढ़ने का कोई पक्का सबूत नहीं है, जो ग्रोथ के इस स्टेज पर स्टार्टअप्स के लिए आम बात है। कुल मिलाकर टू वर्ड्स अवे एक आसान लेकिन काम की कोशिश है कि डिजिटल फर्स्ट माहौल में इवेंट्स कैसे बनाए और मैनेज किए जाते हैं, इस पर फिर से सोचा जाए। क्लेरिटी और कम से कम कम्युनिकेशन के साथ बना यह स्टार्टअप इस बात पर जोर देता है कि रोजमर्रा के डिजिटल बिहेवियर में छोटी-छोटी कमियां भी नए प्रोडक्ट आइडिया को कैसे प्रेरित कर सकती हैं, जिनका मकसद कोऑर्डिनेशन को तेज, साफ और ज्यादा स्ट्रक्चर्ड बनाना है।

अमेरिका-ईरान तनाव से बिटकॉइन में बड़ी गिरावट, मई के सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली|बिज़नेस रेमेडीज

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से जुड़ी वैश्विक आर्थिक चिंताओं के कारण सोमवार को बिटकॉइन मई महीने के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया, जिसके चलते पूरे क्रिप्टो मार्केट में कमजोरी देखने को मिली।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन गिरकर 76,568 डॉलर तक पहुंच गई। हालांकि बाद में इसमें थोड़ी रिकवरी आई और खबर लिखे जाने के समय यह 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,256.04 डॉलर पर था। इसके अलावा, एथेरियम और सोलाना जैसी प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में भी गिरावट दर्ज की गई। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, एशियाई बाजार खुलने के शुरुआती 15 मिनट के भीतर लगभग 50 करोड़ डॉलर के लॉन्ग पोजिशन खत्म हो गए।

ट्रेडर्स के मुताबिक, अमेरिका में सूचीबद्ध स्पॉट बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से पिछले सप्ताह 1 अरब डॉलर से ज्यादा की निकासी हुई, जो जनवरी के आखिर के बाद पहली बार हुआ है। तेल की कीमतों और बॉन्ड यील्ड में तेजी आने से एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई और निवेशकों ने जोखिम वाले निवेश से दूरी बनानी शुरू कर दी।

होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा खुलने को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि समझौते के लिए 'ईरान के पास समय तेजी से खत्म हो रहा है।' इससे बाजार में चिंता और बढ़ गई और जोखिम वाले निवेशों पर दबाव देखने को मिला।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही

नई दिल्ली | एजेंसी। सोने-चांदी के दाम में 18 मई को गिरावट रही। 1 किलो चांदी का दाम 460 रुपए कम होकर 2.68 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 2.69 लाख रुपए पर थी। वहीं इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 471 रुपए गिरकर 1.58 लाख रुपए हो गया है।

बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें बाजार के लिए सबसे बड़ी चिंता: मार्केट एक्सपर्ट

मुंबई | एजेंसी। बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें अब वित्तीय बाजारों के लिए सबसे बड़ी चिंता बन गई हैं। महंगाई का खतरा, बढ़ती बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेश की निकासी से शेयर बाजारों पर दबाव बढ़ रहा है। यह बात कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत एस. चौहान ने सोमवार को आईएएनएस से बातचीत में कही।

आईएएनएस से बात करते हुए मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं और फिलहाल राहत के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सप्ताहांत के दौरान भी तेल की कीमतों में करीब 2 से 3 डॉलर की और बढ़ोतरी हुई है। चौहान ने कहा कि जब तक कच्चे तेल की कीमतें ऊंची रहेंगी, तब तक महंगाई की चिंता वैश्विक बाजारों पर हावी रहेगी।

Tirupati Fincorp Limited

TIRUPATI FINCORP LIMITED

CIN: L67120RJ1982PLC002438

Regd. Office: Flat no. G2/G17, Raghuraj Enclave, Krishna Marg C-Scheme, Jaipur, Rajasthan, India, 302001.
Tel:+91 022 71148504 | **Email:** tirupatifincorp31@gmail.com | **Web:** http://www.tirupatifincorp.in/

STATEMENT OF STANDALONE FINANCIAL RESULTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2026

(Amounts in Lakhs)

Sr. No.	Particulars	QUARTER ENDED As on 31.03.2026 Audited	QUARTER ENDED As on 31.12.2025 Audited	QUARTER ENDED As on 31.03.2025 Audited	YEAR ENDED As on 31.03.2026 Audited	YEAR ENDED As on 31.03.2025 Audited
1.	Total Income from Operation	410.56	278.06	565.41	2512.54	11069.58
2.	Total Expenses	896.37	627.08	(226.40)	3,158.82	11,152.71
3.	Net Profit / (Loss) for the period before Tax	(485.81)	(349.02)	791.81	(673.28)	(83.12)
4.	Net Profit / (Loss) for the period after Tax	(437.36)	(260.26)	653.53	(575.96)	(82.37)
5.	Paid-up Equity Share Capital (FV 10/- each)	53.12	53.12	53.12	53.12	53.12
	Basic	(82.34)	(49.00)	123.04	(108.43)	(1.55)
	Diluted	(82.34)	(49.00)	123.04	(108.43)	(1.55)

Note:
1. The above Audited Financial Results have been reviewed by the Audit Committee thereafter approved and record by Board of Directors at their meeting held on 16 May, 2026.
2. As required under clause 33 of SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the Statutory Auditors of the Company have carried out limited review of the above Financial Results for the Financial Year ended 31 March, 2026.
3. The Company has adopted Indian Accounting Standard (Ind AS) for the financial year commencing from 1st April 2019 and above results have been prepared in accordance with Ind AS as prescribed under section 133 of the Companies Act, 2013 and read with relevant rule made thereunder .
4. The Figures for the corresponding previous periods has been regrouped / reclassified wherever necessary, to make them comparable.
5. The Company operates in two segment during the quarter namely, financing activities and Investment and Trading in securities. A separate reportable operating segments is prepared as per IND AS 108 - Operating Segments.
6. The figures of quarter ended March 31, 2026 and quarter ended March 31, 2025 are the balancing figures between the audited figures in respect of the full financial year and the published year to date figure upto the third quarter of the full financial year.

The full format is also available on the website of the company i.e. http://www.tirupatifincorp.in/ and BSE's Website i.e. https://www.bseindia.com.

Place: Jaipur
Date : 18-05-2026

For Tirupati Fincorp Limited
Sd/-
Arvind Gala
Director
DIN: 02392119